जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 116 दिनांक: 10-04-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सियासी ड्रामा चरम पर है। सत्ता पक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान टालने के लिए हर तरह की पैंतरेबाजी की जा रही है।

गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का उद्घाटन करते राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ।

पाकिस्तान में सियासी ड्रामा चरम पर, इमरान नेशनल असेंबली पहुंचे; गिरफ्तारी की आशंका जताई

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सियासी ड्रामा चरम पर है। सत्ता पक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान टालने के लिए हर तरह की पैंतरेबाजी की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान नहीं हो पाया था। देर रात तक मतदान होने की उम्मीद है। इमरान सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में डिप्टी स्पीकर के फैसले को खारिज करने के फैसले पर पुनर्विचार के लिए याचिका दी गई है। पीएम इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले इस्लामाबाद में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। उधर, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने अधिकारियों को रात 12 बजे तक कोर्ट खोलने के आदेश दिए हैं।

एआरवाइ न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने के आदेश दिए हैं। साथ ही नेशनल असेंबली के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर को भी गिरफ्तार करने के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि अगर रात 12 बजे तक अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग नहीं होती है तो फिर इमरान खान, स्पीकर और डिप्टी स्पीकर को गिरफ्तार किया जा सकता है। देर रात इमरान खान नेशनल असेंबली पहुंचे। उन्होंने गिरफ्तारी की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि मैं अकेला सिस्टम से लड़ता रहूंगा। पाकिस्तान के सभी घरेलू एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

वहीं, नेशनल असेंबली की कार्यवाही के बीच इमरान खान ने रात में कैबिनेट की बैठक भी बुलाई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के लिए शनिवार सुबह नेशनल असेंबली की कार्यवाही शुरू हुई थी। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक में कार्यवाई कई बार स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद इफ्तार के लिए कार्यवाही को भारतीय समय के अनुसार रात आठ बजे तक स्थगित कर दी गई।

इफ्तार के बाद नेशनल असेंबली की कार्यवाही फिर शुरू हुई तो उम्मीद लगाई जा रही थी कि 8:30 बजे तक अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया जाएगा, लेकिन खबर लिखे जाने तक मतदान नहीं हुआ था। उम्मीद है कि देर रात तक मतदान कराया जाएगा। इससे पहले, सुबह कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही समय बाद स्पीकर असद कैसर ने सत्र को तब स्थगित करने का फैसला किया जब नेशनल असेंबली में नेता विपक्ष शहबाज शरीफ ने व्यवस्था का मुद्दा उठाया और स्पीकर को याद दिलाया कि वह शीर्ष अदालत के आदेश के अनुरूप आगे बढ़ने के लिए बाध्य हैं। शरीफ के भाषण के दौरान इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे।

पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सियासी ड्रामा चरम पर है। सत्ता पक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान टालने के लिए हर तरह की पैंतरेबाजी की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान नहीं हो पाया था। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने डिप्टी स्पीकर के तीन अप्रैल के फैसले को रद करने के शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ अलग से एक पुनर्विचार याचिका दायर की है। गुरुवार को 5-0 के एक ऐतिहासिक फैसले में पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने के फैसले को 'संविधान के विपरीत' बताया था।

श्रीलंकाई कोर्ट ने 12 भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए मांगे प्रति व्यक्ति एक करोड़ रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रीलंकाई नौसेना ने हाल ही में रामेश्वरम के करीब 12 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। खबर है कि श्रीलंका की कोर्ट ने इनकी रिहाई की राशि 1-1 करोड़ रुपये तय की है। हालांकि, पड़ोसी मुल्क की अदालत के इस फैसले पर भारत में सियासत गरमा गई है। इधर, आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका से लोगों का भारत आना जारी है। साल 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद श्रीलंका सबसे भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ऑल मैक्वेनाइज्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष पी जेसुराज ने बताया हम यह सुनकर हैरान हैं कि कोर्ट ने रिहाई के लिए प्रति मछुआरा एक करोड़ रुपये की रकम तय की है। कैसे एक मछुआरा एक करोड़ रुपए जुटा सकता है? अगर उसके पास यह रकम होती, तो वह इस पेशे में नहीं होता। जेसुराज के अनुसार, अभी भी करीब 85 भारतीय नौकाएं श्रीलंका के कब्जे में हैं। मक्कल निधि मैयम के प्रमुख और अभिनेता कमल हासन ने भी कोर्ट के इस फैसले पर हैरानी जाहिर की है।

रिपोर्ट के अनुसार, रामेश्वरम फिशरमैन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष देवदास ने कहा भारत और श्रीलंका के मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं। इसके बाद भी हम देखते हैं कि श्रीलंका के अलावा कोई दूसरा देश नहीं है, जो आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे मछुआरों के साथ ऐसा व्यवहार करता है। भारत सरकार इसे दर्शक के तौर पर देख रही है। हमारे मछुआरों को श्रीलंका ने पकड़ा और वह भी तब जब भारत के विदेश मंत्री वहां कूटनीतिक दौरे पर थे। रिहाई की राशि जख्मों पर नमक छिड़कने की तरह है। मछली पकड़ने पर वार्षिक प्रतिबंध आ रहा है, डीजल की कीमतों ने मछली पकड़ने की लागत बढ़ा दी है। ऐसे में एक करोड़ रुपए जुर्माना लगाना किसी भी तरह ठीक नहीं कहा जा सकता।

तमिलनाडु के मछुआरों के पकड़े जाने का बड़ा कारण कटचैतीवू द्वीप है, जो फिलहाल श्रीलंका के नियंत्रण में हैं। यहां पर रामेश्वरम जिले की तरह तमिलनाडु के मछुआरे जाते हैं। डीएमके प्रवक्ता एडवोकेट श्रवणन ने कहा कि इस असामान्य राशि का एक ही मतलब हो सकता है कि श्रीलंका सरकार उम्मीद करती है कि जमानत राशि नहीं चुकाई जा सकेगी। उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन श्रीलंका और खासतौर से श्रीलंका के उत्तरी हिस्सों में राहत भेजने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं।

आज से सभी वयस्कों को लगेगी सतर्कता डोज; चुकाने होंगे 375 रुपये, सीरम और भारत बायोटेक ने घटाईं कीमतें

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की चौथी लहर की आशंका के बीच 10 अप्रैल यानी रविवार से सभी वयस्कों को निजी टीका केंद्रों पर कोरोना रोधी वैक्सीन की सतर्कता डोज लगाई जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोग जिनकी दूसरी डोज के नौ महीने पूरे हो चुके हैं सतर्कता डोज के पात्र होंगे। सतर्कता डोज के लिए अब लोगों को कुल 375 रुपये चुकाने होंगे।

प्रमुख वैक्सीन उत्पादक कंपनियों सीरम इंस्टीटयूट आफ इंडिया (एसआइआइ) और भारत बायोटेक ने सतर्कता वैक्सीन की कीमतें घटा दी हैं। नई कीमत में वैक्सीन की डोज के लिए 225 रुपये और 150 रुपये सर्विस चार्ज शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शनिवार को सुबह सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ सतर्कता डोज के मुद्दे पर उच्च स्तरीय बैठक की।

राजेश भूषण ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि निजी अस्पताल टीका लगाने के लिए प्रति डोज 150 रुपये से अधिक सर्विस चार्ज नहीं ले सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर और 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को निजी टीका केंद्रों पर पहले की तरह मुफ्त सतर्कता डोज लगाई जाती रहेगी, लेकिन अगर वे चाहें तो पैसे कर निजी केंद्रों पर भी यह टीका लगवा सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को सतर्कता डोज का दायरा बढ़ाने की घोषणा की थी। मंत्रालय ने कहा था कि देश के निजी टीका केंद्रों पर रविवार से 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोग सतर्कता डोज लगवा सकते हैं।

पुणे स्थित एसआइआइ ने शुक्रवार को कहा था कि वह सतर्कता जो 600 रुपये में देगी। जबकि भारत बायोटेक ने इसकी कीमत 1,200 रुपये तय की थी। शनिवार को एसआइआइ के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि कंपनी ने निजी अस्पतालों के लिए कोविशील्ड की कीमत 600 रुपये से घटाकर 225 रुपये कर दी है। भारत बायोटेक की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इल्ला ने ट्वीट किया, 'हम सभी वयस्कों के लिए सतर्कता डोज मुहैया कराने के फैसले का स्वागत करते हैं। केंद्र सरकार के साथ बातचीत के बाद हमने निजी अस्पतालों के लिए कोवैक्सीन की कीमत 1,200 रुपये से घटाकर 225 रुपये प्रति डोज करने का फैसला किया है।' मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सतर्कता डोज भी उसी वैक्सीन की होगी, जिसकी व्यक्ति पहले दोनों डोज लगवा होगा। सतर्कता डोज के लिए वही व्यक्ति पात्र होगा जिसने दूसरी डोज लेने की अवधि नौ महीने पूरी कर ली होगी। यानी दूसरी डोज के नौ महीने बाद ही सतर्कता डोज लगवाई जा सकती है।

11 अप्रैल को दिल्ली में तेलंगाना नेताओं का धरना, केंद्र की धान खरीद नीति का करेंगे विरोध

हैदराबाद (ईएमएस)। तेलंगाना सरकार ने 11 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में धरना देने का फैसला लिया है। केंद्र की धान खरीद नीति के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन बुलाया गया है। तेलंगाना सरकार द्वारा निर्वाचित सभी प्रतिनिधि, टीआरएस दल के सांसद, एमएलसी, एमएलए के अलावा शहरी व ग्रामीण निकायों के प्रतिनिधि भी इसमें हिस्सा लेंगे। यह जानकारी टीआरएस दल की ओर से शनिवार को दी गई।

दिल्ली के तेलंगाना भवन में आयोजित होने वाला यह धरना एक दिन का होगा। इनका कहना है कि केंद्र की भेदभाव वाली इस नीति से 61 लाख किसान और उनके परिवार प्रभावित होंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी व टीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि केंद्र ने राज्यों के किसानों का ध्यान नहीं रखा इसलिए वे दिल्ली की सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

पूरे उत्तर भारत में गर्मी से हाल बेहाल, दिल्ली और राजस्थान में अलर्ट जारी

नई दिल्ली । पूरे देश में इस समय भीषण गर्मी और लू चल रही हैं। चिलचिलाती धूप ने लोगों को घरों में कैद रहने के लिए मजबूर कर दिया है। मौसम विभाग ने राजस्थान और दिल्ली में गर्मी और लू को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान में देश के उत्तर पश्चिमी हिस्से व मध्य भारत में अगले पांच दिन गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। आईएमडी ने इन राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग की ओर से जारी वेदर बुलेटिन में उत्तर-पश्चिमी भारत के अधिकांश हिस्सों व मध्य भारत, खासकर पश्चिमी राजस्थान में अगले पांच दिन लू चलने की संभावना जताई गई है। आइए जानते हैं कि आपके प्रदेश में गर्मी का क्या हाल होगा। आखिर गर्मी से कब मिलेगी निजात।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अप्रैल माह में ला नीना का असर बना रहेगा और अधिकतम तापमान में और इजाफा हो सकता है। विभाग के मुताबिक दक्षिणी हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का भी यही हाल रहेगा। इन इलाकों में भी गर्म हवाएं दिन में लोगों को बाहर नहीं निकलने के लिए मजबूर करेंगी। आईएमडी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पंजाब में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। अगले पांच दिनों में पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी अधिक रहेगा। महाराष्ट्र और जम्मू संभाग में आठ अप्रैल को लू चलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इस साल लगभग पूरे देश में मार्च माह में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी रही। यहां तक कि हिमालयी राज्यों में भी मार्च में बसंत की बहार की बजाय लू की स्थिति बनी रही और जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण अंडमान सागर में चक्रवाती हवाओं के कारण दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी में अगले 48 घंटे में एक कम दबाव का क्षेत्र बनेगा। तटीय व आंतरिक कर्नाटक व केरल में छिटपुट बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत में खासकर अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर उत्तर पूर्व भारत के बाकी छह राज्यों असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और मेघालय में बंगाल की खाड़ी से चलने वाली दक्षिण पश्चिमी हवाओं के कारण गरज-चमक के साथ बारिश होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ और बिहार में भी इसी तरह की स्थिति बनने की उम्मीद जताई गई है। पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में भीषण लू चलने की संभावना है। चंडीगढ़, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल में अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ में गर्मी सताएगी।

गौरतलब है कि भारत के लिए मार्च 2022 में गर्मी के पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा मार्च 2022 माह के लिए जारी क्लाइमेट समरी के मुताबिक मार्च 2022 में पूरे देश का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जो 1901 से लेकर 2022 के दौरान मार्च माह के औसत तापमान का सबसे अधिक था। मौसम विभाग के मुताबिक मार्च 2022 में देश का औसत अधिकतम तापमान 33.10 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि औसत न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री रहा और औसत मध्य तापतान 26.7 डिग्री रहा, जबकि मार्च माह का अधिकतम तापमान सामान्यतया 31.24 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 18.87 और मध्य तापमान 25.06 डिग्री रहता है। बता दें कि सामान्य तापमान का आधार 1981 से 2010 के दौरान रहने वाले तापमान के औसत के आधार पर लगाया जाता है।

शोभायात्रा में राम की मूर्ति पर पथराव, इलाके में धारा 144 लागू

कोलार (ईएमएस)। कर्नाटक के कोलार जिले में रात बदमाशों ने शोभायात्रा पर पथराव कर दिया। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव है और धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पथराव के दौरान कुछ युवाओं के घायल होने और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घटना कोलार जिले के मुलबगाल की है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि राम नवमी की संध्या पर आयोजित शोभायात्रा शिवकेशव नगर से शुरू हुई थी और शाम करीब 7.40 बजे जहांगीर मोहल्ला पहुंची। इस दौरान बिजली गुल हो गई। इसके बाद बदमाशों ने जुलूस में शामिल भगवान राम की प्रतिमा पर पथराव किया।

मायावती को गठबंधन करने और मुख्यमंत्री बनने का दिया ऑफर उन्होंने बात तक नहीं की: राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बसपा प्रमुख मायावती पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मायावती ने चुनाव ही नहीं लड़ा। राहुल ने कहा, ठहमने मायावती को संदेश दिया कि गठबंधन कीजिए और मुख्यमंत्री बनिए। उन्होंने बात तक नहीं की। जिन लोगों ने अपना खून, पसीना देकर उत्तर प्रदेश में दलितों की आवाज को जगाया। आज मायावती कहती हैं कि मैं उस आवाज के लिए नहीं लडूंगी। दिल्ली में एक किताब के विमोचन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, ठदेश ने मुझे सिर्फ प्यार ही नहीं दिया है, बल्कि जिस हिंसा के साथ इस देश ने मुझे मारा-पीटा है, मैंने सोचा कि यह क्यों हो रहा है? और जवाब मिला कि देश मुझे सिखाना चाहता है। देश मुझे कह रहा है कि तुम सिखो, समझो। राहुल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान आरएसएस के कब्जे में हैं। राहुल गांधी ने कहा, ठहमें संविधान को बचाना पड़ेगा। संविधान को बचाने के लिए हमें संस्थानों की रक्षा करनी पड़ेगी। लेकिन सभी संस्थान आरएसएस के नियंत्रण में हैंठ कांग्रेस नेता ने कहा, ठयहां नेता हैं, जो सत्ता के पीछे लगे हुए हैं। वे हमेशा सत्ता हासिल करने के बारे में सोचते रहते हैं... अब उसमें मेरी एक परेशानी आ गई, मैं सत्ता के एकदम बीच में पैदा हुआ, लेकिन सच कहता हूं मुझे इसमें दिलचस्पी नहीं है। इसके बजाए मैं देश को समझने की कोशिश करता हूं।

गृह मंत्रालय ने हाफिज सईद के बेटे को आतंकवादी घोषित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक एवं 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के 'मास्टरमाइंड' हाफिज सईद के बेटे हाफिज तल्हा सईद को आतंकवादी घोषित किया है। गृहमंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक 46 वर्षीय हाफिज तल्हा सईद भारत और अफगानिस्तान में भारतीय हितों को निशाना बनाने के लिए लश्कर-ए-तैयबा में कारिंदों की भर्ती करने, धन जुटाने और हमलों की साजिश रचने तथा उन्हें अंजाम देने के कृत्यों में सक्रिय रूप से शामिल है।

इसमें कहा गया है कि वह पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के विभिन्न ठिकानों का भी नियमित रूप से दौरा करता है और भारत, इजराइल, अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों में भारतीय हितों के खिलाफ जिहाद छेड़ने का आह्वान करने वाले बयान देता है। अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार का मानना है कि हाफिज तल्हा सईद आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा हुआ है और उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम 1967 (1967 का 37) के तहत आतंकवादी घोषित किया जाना चाहिए।

मालूम हो कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले का सरगना हाफिज सईद था। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे। उसे कुछ साल पहले इसी कानून के तहत आतंकवादी घोषित किया गया था और वर्तमान में वह पाकिस्तान में आतंकवाद संबंधी आरोपों में जेल की सजा काट रहा है। भारत लगातार हाफिज सईद की हिरासत की मांग करता रहा है, लेकिन पाकिस्तान ने उसे सौंपने से इनकार कर दिया है। लश्कर-ए-तैयबा 26/11 के हमलों के अलावा भारत में कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। इनमें से ज्यादातर हमले जम्मू-कश्मीर में हुए हैं, जिनमें पिछले कुछ वर्षों में कई नागरिक और सुरक्षाबल के जवान मारे गए।

बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने हाफिज सईद को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद को टेरर फंडिग के दो और मामलों में 32 साल कैद की सजा सुनाई है। इससे पहले टेरर फंडिग के 5 अन्य मामलों में 70 वर्षीय आतंकवादी हाफिज सईद को 36 साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है, इस तरह अब तक हाफिज सईद को कुल 68 साल कैद की सजा हो चुकी है।

तसलीमा नसरीन का तंज, इमरान बुशरा बीबी को तलाक देकर एक महिला तोते से कर लें शादी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान की सियासत में प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ महत्वपूर्ण अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए संसद का अहम सत्र शुरू हो गया। वहीं बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने शनिवार को इमरान खान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इमरान अब अपनी तीसरी पत्नी और आध्यात्मिक मार्गदर्शक बुशरा बीबी को तलाक देकर एक महिला तोते से शादी कर लें क्योंकि वह प्रधानमंत्री की कुर्सी से दूर होने जा रहे हैं।

तसलीमा ने ट्वीट कर लिखा कि अब वह उसे तलाक दे सकते हैं और भाग्य बताने वाली किसी महिला तोते से शादी कर सकते हैं जो कहेगी कि इमरान कभी नहीं मरेंगे। तसलीमा ने कहा कि इमरान खान ने बुशरा से शादी की क्योंकि बुशरा ने अपनी विशेष आध्यात्मिक शक्ति से कहा था कि इमरान प्रधानमंत्री बनेंगे। क्या उसने भविष्यवाणी की थी कि वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे? हरगिज नहीं। बता दें कि चुनाव जीतने के तुरंत बाद इमरान खान ने 2018 में बुशरा बीबी से शादी की, जिन्हें पिंकी पीरनी के नाम से भी जाना जाता है।

पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि इमरान खान 2015 से आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए बुशरा बीबी के पास जा रहे थे और उनकी कई राजनीतिक भविष्यवाणियां सच हुईं। इमरान खान से शादी करने से पहले बुशरा बीबी की शादी ख्वार फरीद मेनका से हुई थी, जो एक सरकारी अधिकारी थे। पाकिस्तान में मची राजनीतिक उथल-पुथल को इमरान खान विदेशी साजिश का परिणाम मानते हैं। इस बीच बुशरा बीबी को लेकर विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने इमरान खान के भविष्य के लिए 'जिन्स' को खुश करने की खातिर जिंदा मुर्गे जलाए।

कार्टून कोना

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Gujarat Tourism

रुक्मणि कृष्ण विवाह निमित्त

माधवपुर मेला-२०२२

सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए आप सादर आमंत्रित हैं

मुख्य अतिथि

श्री राम नाथ कोविंद

माननीय राष्ट्रपति, भारत

दिनांक : १० अप्रैल, २०२२ | समय : सांय ५:०० बजे

स्थान : माधवपुर, जिला पोरबंदर, गुजरात

श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

अतिथि विशेष

श्री आचार्य देवव्रत
माननीय राज्यपाल, गुजरात

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

श्री किरण रिजिजू
माननीय मंत्री, कायदा और न्याय मंत्री, भारत सरकार

श्री कोनराड संगमा
माननीय मुख्यमंत्री, मेघालय

श्री प्रेम सिंह तमांग
माननीय मुख्यमंत्री, सिक्किम

कु. प्रतिमा भौमिक
माननीय राज्यमंत्री, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, भारत सरकार

मुख्य आकर्षण

कृष्ण और रुक्मणि के संबंधों पर थीम पेविलियन | हस्तशिल्प स्टॉल और फूड स्टॉल्स | दैनिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम समय

दिनांक : १० से १३ अप्रैल, २०२२ | रोज सांय ५:०० बजे

जन हितैषी

कृषि पर निर्भरता घटी

जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का गड़बड़ाता मिजाज खेती के लिए बड़ा संकट बन गया है। इससे केवल देश को अन्न उपलब्ध कराने की क्षमता ही नहीं, कृषि पर लोगों की निर्भरता भी घटी है। इस कारण खेती के काम में लगे लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं। कहीं विकास के नाम पर तो कहीं शहरीकरण की चपेट में खेत सिमट रहे हैं। खेती में फायदा न देख उससे विमुख हो रहे लोगों की संख्या साल-दर-साल तेजी से बढ़ रही है। राज्यों के हिसाब से देखें तो सबसे बुरा हाल उत्तर प्रदेश का है। यह दुखद है कि राज्य का किसान दिल्ली या फिर ऐसे ही अन्य महानगरों में दूसरों की चाकरी करे, गांव की खुली हवा-पानी छोड़ कर महानगर की झुग्गियों में बसे और यह मानने को मजबूर हो जाए कि उसका श्रम किसी पूंजीपति के पास गिरवी रख दिया गया है।सरकारी आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में करीब ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि है जिसमें से शुद्ध बुआई वाला रकबा एक करोड़ 68 लाख 12 हजार हेक्टेयर है जो कुल जमीन का करीब 70 फीसद बैठता है। जाहिर है, राज्य के निवासियों की रोजी-रोटी का सबसे बड़ा जरिया खेती ही है। राज्य में कोई ढाई फीसद जमीन उसर या खेती के अयोग्य भी है। प्रदेश के तिरपन प्रतिशत लोग किसान हैं और कोई 20 फीसद खेतिहर मजदूर। यानी लगभग तीन-चौथाई आबादी इसी जमीन से अपना अन्न जुटाती है। एक बात और गौर करने लायक है कि 1970-1990 के दो दशकों के दौरान राज्य में कुल बोया गया क्षेत्रफल 173 लाख हेक्टेयर स्थिर रहने के बाद अब लगातार कम हो रहा है। ऐसोचेम का कहना है कि हाल के वर्षों में कृषि के मामले में उत्तर प्रदेश की सालाना विकास दर महज 2.9 फीसद है, जो राष्ट्रीय फीसद 3.7 से बेहद कम व निराशाजनक है। विकास के नाम पर सोना उगलने वाली जमीन की दुर्दशा इस आंकड़े से आंसू बहाती दिखती है कि यूपी में सालाना 48 हजार हेक्टेयर खेती की जमीन कंक्रीट द्वारा निगली जा रही है। 2013 की कृषि नीति में सरकार ने खेती की विकास दर 5.3 फीसद तक ले जाने का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए अनुबंध खेती, बीटी बीज जैसे प्रयोग भी शुरू किए गए, लेकिन जमीन पर कुछ दिखा नहीं, क्योंकि यह सब तभी संभव है जब खेती लायक जमीन को सड़क, शहर जैसे निर्माण कार्यों से बचाया जा सके।

उत्तर प्रदेश की सालाना राज्य आय का 31.8 फीसद खेती से आता है। हालांकि यह प्रतिशत 1971 में 57, 1981 में 50 और 1991 में 41 था। इससे साफ है कि लोगों से खेती दूर हो रही है। खेती ज्यादा फायदे का पेशा नहीं रहा या फिर दीगर कारणों से लोगों का इससे मोहभंग हो रहा है। फिर दिल्ली से सटे जिलों- गाजियाबाद, बागपत, गौतम बुद्ध नगर जिले से तीन दशकों से खेत उजडऩे का जो सिलसिला शुरू हुआ, उससे भले ही कुछ लोगों के पास पैसा आ गया हो, लेकिन वह अपने साथ कई ऐसी बुराइयां और अपराध लाया कि गांवों की संस्कृति, संस्कार और सभ्यता सभी कुछ नष्ट होते चले गए। जिनके खेत थे, उन्हें तो कार, मकान और मौज-मस्ती के लिए पैसे मिल गए, लेकिन उनके खेतों में काम करने वाले बेरोजगार हो चले गए। उनके लिए करीबी महानगर दिल्ली में रिक्शा चलाने या छोटी-मोटी नौकरी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जो गांव में आधा पेट रह कर भी खुश थे, वे दिल्ली में न तो खुद खुश हैं और न ही दूसरों की खुशी के लिए कुछ कर पा रहे हैं। राज्य में बड़े या मझौले उद्योगों को स्थापित करने में समस्याएं हैं। बिजली और पानी की कमी, कानून-व्यवस्था की जर्जर स्थिति, राजनीतिक इच्छा-शक्ति का अभाव। ऐसे में खेती पर जीवकोपार्जन और रोजगार का जोर बढ़ जाता है। इस कटु सत्य से बेखबर सरकार पक्के निर्माण, सड़कों में अपना भविष्य तलाश रही है। यदि हाल ऐसा ही रहा तो आने वाले पांच सालों में राज्य की कोई तीन लाख हेक्टेयर जमीन से खेतों का नामोनिशान मिट जाएगा। किसान को भले ही देर से सही, यह समझ में आ रहा है कि शहर व आधुनिक सुख-सुविधाओं की बातें मृग-मरीचिका हैं और एक बार जमीन हाथ से जाने के बाद मिट्टी भी मुट्ठी में नहीं रह जाती है। फिर प्रदेश के विकास के लिए कारखाने, बिजली परियोजनाएं और सडकें सभी कुछ जरूरी हैं। पर यह भी तो देखा जाए कि अन्नपूर्णा धरती को उजाड़ कर इन्हें पाना कहां तक व्यावहारिक व फायदेमंद है। सनद रहे, राज्य की कोई 11 फीसद भूमि या तो ऊसर है या फिर खेती में काम नहीं आती है। यह बात जरूर है कि ऐसे इलाकों में मूलभूत सुविधाएं जुटाने के लिए सरकार को जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी होगी।

सामाजिक समरसता का समुच्चय है श्रीराम का जीवन

(राम नवमी पर विशेष)

प्रायः कहा जाता है कि जीवन हो तो भगवान श्रीराम जैसा। जीवन जीने की उच्चतम मर्यादा का पथ प्रदर्शक भगवान श्रीराम के जीवन पर दृष्टिपात करेंगे तो निश्चित ही हमें कई पाथेय दिखाई देंगे, लेकिन इन सबमें सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण कहीं और दिखाई नहीं देता। अयोध्या के राजा श्रीराम ने अपने जीवन से अनुशासन और विनम्रता का जो चरित्र प्रस्तुत किया, वह आज भी समाज के लिए एक दिशाबोध है।

वनवासी राम का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता का अनुकरणीय पाथेय है। श्रीराम ने वनगमन के समय प्रत्येक कदम पर समाज के अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। केवट के बारे में हम सभी ने सुना ही है, कि कैसे भगवान राम ने उनको गले लगाकर समाज को यह संदेश दिया कि प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक ही जीव आत्मा है। बाहर भले ही अलग दिखते हों, लेकिन अंदर से सब एक हैं। यहां जाति का कोई भेद नहीं था। वर्तमान में जिस केवट समाज को वंचित समुदाय की श्रेणी में शामिल किया जाता है, भगवान राम ने उनको गले लगाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। सामाजिक समरसता के भाव को नष्ट करने वाली जो बुराई आज दिखाई दे रही है, वह पुरातन समय में नहीं थी। समाज में विभाजन की रेखा खींचने वाले स्वार्थी व्यक्तियों ने भेदभाव को जन्म दिया है।

वर्तमान में हम स्पष्ट तौर पर देख रहे हैं कि समाज को कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जिसके कारण जहां एक ओर समाज की शक्ति तो कमजोर हो रही है, वहीं देश भी कमजोर हो रहा है। वर्तमान में राम राज्य की संकल्पना को साकार करने की बात तो कही जाती है, लेकिन उसके लिए सकारात्मक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। सामाजिक एकता स्थापित करने के लिए रामायण हम सभी को उचित मार्ग दिखा सकती है।

यह भी सर्वविदित है कि राम वन गमन के दौरान भगवान राम ने निषाद राज को भी गले लगाया, केवट को भी पूरा सम्मान दिया। इतना ही नही भगवान राम ने उन सभी को अपना अंग माना जो आज समाज में हेय दृष्टि से देखे जाते हैं। इसका यही तात्पर्य है कि भारत में कभी भी जातिगत आधार पर समाज का विभाजन नहीं था। पूरा समाज एक शरीर की ही तरह था। जैसे शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द होता है, तब पूरा शरीर अस्वस्थ हो जाता था। इसी प्रकार समाज की भी अवधारणा है, समाज का कोई भी हिस्सा वंचित हो जाए तो सामाजिक एकता की धारणा समाप्त होने लगती है। हमारे देश में जाति आधारित राजनीति के कारण ही समाज में विभाजन के बीजों का अंकुरण किया गया। जो आज एकता की मर्यादाओं को तार-तार कर रहा है।

भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो संगठन में ही शक्ति है। इससे यह संदेश मिलता है कि हम समाज के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेंगे तो हम किसी न किसी रुप में कमजोर होते चले जाएंगे और हमें कोई न कोई दबाता ही चला जाएगा। सम्पूर्ण समाज हमारा अपना परिवार है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। जब इस प्रकार का भाव बढ़ेगा तो स्वाभाविक रुप से हमें किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा भी नहीं होगा। आज समाज में जिस प्रकार के खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उसका अधिकांश कारण यही है कि समाज का हिस्सा बनने से बहुत दूर हो रहे हैं। अपने जीवन को केवल भाग दौड़ तक सीमित कर दिया है। यह सच है कि व्यक्ति ही व्यक्ति के काम आता है। यही सांस्कृतिक भारत की अवधारणा है।

पूरे विश्व में भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रुप में पहचाना जाता है, जब हम भारत को राष्ट्र बोलते हैं, तब हमें इस बात का बोध होना ही चाहिए कि राष्ट्र आखिर होता क्या है? हम इसका अध्ययन करेंगे तो पता चलेगा कि राष्ट्र की एक संस्कृति होती है, एक साहित्यिक अवधारणा होती है, एक आचार विचार होता है, एक जैसी परंपराएं होती हैं। भगवान राम के जीवन में इन सभी का साक्षात दर्शन होता है, इसलिए कहा जा सकता है कि राम जी केवल वर्ग विशेष के न होकर सम्पूर्ण विश्व के हैं। उनके आदर्श हम सभी के लिए हैं। हमें राम जी के जीवन से प्रेरणा लेकर ही अपने जीवन को उत्सर्ग के मार्ग पर ले जाने का उपक्रम करना चाहिए।

इस लेख का तात्पर्य यही है कि भगवान श्रीराम का जीवन हमारे सामाजिक जीवन के उत्थान के लिये अत्यंत ही प्रासंगिक इसलिए भी है क्योंकि वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ स्वार्थी राजनीतिक तत्व अपना हित साधने के लिये समाज में फूट पैदा करने का प्रयास करते हैं। समाज की फूट का दुष्परिणाम हमारे देश ने भोगा है। भारत इसी फूट के कारण ही वर्षों तक गुलाम बना। आज भी देश में लगभग वैसी ही स्थिति है। जो काम पहले अंग्रेज करते थे, वह काम आज राजनीतिक दल कर रहे हैं। हमें आज पुनः सामाजिक एकता के प्रयासों को गति प्रदान करने होगी, तभी हमारा देश शक्तिशाली होगा। (लेखक- डॉ. वंदना सेन / ईएमएस)

सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक श्रीराम

(रामनवमी 10 अप्रैल पर विशेष)

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार समूचे भारतवर्ष में अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। विभिन्न हिन्दू धर्मग्रंथों में कहा गया है कि श्रीराम का जन्म नवरात्र के अवसर पर नवदुर्गा के पाठ के समापन के पश्चात् हुआ था और उनके शरीर में मां दुर्गा की नवीं शक्ति जागृत थी। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। वाल्मिकी रामायण के अनुसार, ''भगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरूजनों, भाईयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात् हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे।''

श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए।

वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया।

जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। रामनवमी पर्व वास्तव में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की गुरू सेवा, माता-पिता की सेवा व आज्ञापालन, जात-पात के भेदभाव को मिटाने, क्षमाशीलता, भ्रातृप्रेम, पत्नीव्रता, न्यायप्रियता आदि विभिन्न महान् आदर्शों एवं गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल)

भंवरो की देवी जीण माता

(नवरात्रा पर विशेष)

हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है।

जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है। मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है।

लोगों का मानना है कि यह मंदिर 1000 साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं।

लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चैहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवन शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है।

एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे ।

औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी। माता की शक्ति को जानकर मुगल बादशाह ने जीण माता मन्दिर में शुद्ध खालिस सोने की बनी मूर्ति भेंट की। औरंगजेब ने भी सवामन तेल का दीपक अखंड ज्योति के रूप में मंदिर में स्थापित किया जो आज तक प्रज्वलित है। एक अन्य जनश्रुति के अनुसार औरंगजेब को कुष्ठ रोग हो गया था। उसने कुष्ठ निवारण के लिए मां से प्रार्थना की। और मन्नत मांगी की अगर कुष्ठ ठीक हो जाएगा तो वह जीण के मंदिर में एक स्वर्ण छत्र चढ़ाएगा। बादशाह का कुष्ठ रोग ठीक होने पर उन्होने माता के मन्दिर में सोने का छत्र चढ़ाया। यह छत्र आज भी मंदिर में विद्यमान है।

जीण माता देवी शक्ति है, जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है।

जीण भवानी की सुबह 4 बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे शृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल शृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

आज का इतिहास 10 अप्रैल

1778 अंग्रेजी भाषा के निबंधकार विलियम हैजेलिट का जन्म हुआ.

1875 स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की.

1880 प्रसिद्ध समाज सुधारक सी. वाई. चिंतामणि का जन्म हुआ.

1919 ब्रिगेडियर जनरल आर.ई. एच. डायर ने अमृतसर में लोगों को कोड़े मारने का कुख्यात आदेश जारी किया.

1932 जर्मनी में पाल वान हिंडनबर्ग राष्ट्रपति चुने गये.

1945 अमेरिकी फौजों ने बुशेनवाल्ड, जर्मनी के यातना शिविर से लोगों को मुक्त कराया.

1963 अमेरिका की परमाणु चालित पनडुब्बी थ्रेसर 129 व्यक्तियों सहित उत्तरी अटलांटिका में डूबी.

1976 इजरायल ने दंगों के बावजूद अधिकृत पश्चिमी किनारे के क्षेत्रों में चुनाव कराने की घोषणा की.

1982 भारत का बहुद्देशीय उपग्रह इन्सेट-1-ए का प्रक्षेपण किया गया.

1986 अमेरिका ने नेवादा के रेगिस्तान में परमाणु परीक्षण किया.

1992 भारतीय साम्यवादी दल का हैदराबाद में सम्मेलन.

1993 दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत अफ्रीकी नेता क्रिसहानी की हत्या हुई.

1995 बंबई के जसलोक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री एवं गांधीवादी नेता मोरारजी भाई देसाई का निधन.

2003 इनसैट 3-ए अंतरिक्ष में प्रक्षेपित.

शब्द पहेली - 7251

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7250 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	ब	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
ब	र	■	त	र	फ	■	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत की चाहत अरोड़ा को थाईलैंड आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय तैराक चाहत अरोड़ा ने थाईलैंड आयु वर्ग चैंपियनशिप में महिला 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली चंडीगढ़ की 24 साल की तैराक चाहत ने 33.62 सेकेंड के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय की बराबरी करते हुए थाईलैंड के सामुत प्रकान में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अन्य नतीजों में शीर्ष भारतीय तैराक श्रीहरि नटराजन फ्रेंच एलीट ओपन तैराकी चैंपियनशिप के 200 मीटर बैकस्ट्रोक 'बी' फाइनल में तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांस के लिमोगेस में 21 साल के नटराजन हीट में दो मिनट 4.10 सेंकेंड के समय के साथ 36 तैराकों में 18वें स्थान पर रहे थे और उन्होंने 'बी' फाइनल में जगह बनाई थी।

फाइनल में हालांकि उन्होंने हीट के अपने समय में 0.8 सेकेंड का सुधार करते हुए दो मिनट 3.27 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मुंबई की तैराक केनीश गुप्ता ने 57.61 सेकेंड के समय के साथ महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल 'सी' फाइनल में चौथा स्थान हासिल किया। शीर्ष आठ तैराक 'ए' फाइनल में जगह बनाते हैं। दक्षिण अफ्रीका में जूनियर तैराकों का शानदार प्रदर्शन जारी है। वृत्ति अग्रवाल और नीना वेंकटेश ने दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रीय चैंपियनशिप में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

वृत्ति ने 18 मिनट 06.40 सेकेंड के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ जूनियर लड़कियों के 15-16 साल वर्ग की 1500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता।नीना ने पोर्ट एलिजाबेथ में 50 मीटर बटरफ्लाई फाइनल्स में 29.03 सेकेंड के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। जूनियर टीम ने मार्च में दक्षिण अफ्रीका के जूनियर तैराकों के साथ ट्रेनिंग शिविर में भी हिस्सा लिया था। गुरुवार को रिद्धिमा वीरेंद्र कुमार ने अंडर-14 लड़कियों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

आज नीदरलैंड को हराकर इतिहास रचने उतरेगा भारत

पोटचेफ्स्ट्रूम (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को तीन बार के चैंपियन नीदरलैंड को हराकर पहली बार एफआईएच जूनियर विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2013 में रहा था, जब टीम ने जर्मनी के मोनशेंग्लाबाख में कांस्य पदक जीता था। टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहे भारत ने वेल्स को 5-1 से हराने के बाद जर्मनी को 2-1 से शिकस्त देकर मलेशिया (4-0) और कोरिया (3-0) को भी हराया। सलीमा टेटे की अगुआई वाली टीम ने अभी तक एकजुट प्रयास किया है और सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय अग्रिम पंक्ति ने टूर्नामेंट में अब तक 14 गोल किए हैं, टीम के खिलाफ सिर्फ दो गोल हुए हैं। युवा स्टार मुमताज खान ने सभी का ध्यान खींचा है। वह टूर्नामेंट में छह गोल कर चुकी हैं। लालरेमसियामी, लालरिंदिकी और शर्मिला देवी ने उनका अच्छा साथ निभाया है। कप्तान सलीमा, लालरेमसियामी और शर्मिला के रूप में तीन तोक्यो ओलंपियन के भारतीय टीम में होने से टीम के प्रदर्शन पर सकारात्मक असर पड़ा है।

भारतीय मिडफील्ड को पूरा श्रेय जाना चाहिए जिसने टीम के लिए गोल करने के कई मौके बनाए हैं। अग्रिम पंक्ति और मिडफील्ड के अलावा गोलकीपर बिचू देवी करिबम की मौजूदगी में रक्षापंक्ति ने भी अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। हाल में एफआईएच प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से पदार्पण करने वाली युवा बिचू ने विरोधी टीम के कई हमलों को नाकाम किया है। भारत के लिए हालांकि नीदरलैंड की चुनौती से पार पाना आसान नहीं होगा। तीन बार चैंपियन होने के अलावा नीदरलैंड चिली के सेंटियागो में पिछले टूर्नामेंट में उप विजेता भी रहा था। भारत की तरह नीदरलैंड भी पूल चरण में अपने तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहा था और क्वार्टर फाइनल में उसने दक्षिण अफ्रीका को 5-0 से हराया। लेकिन फॉर्म में चल रही भारतीय टीम के रूप में नीदरलैंड के सामने पहली कड़ी परीक्षा होगी। एक अन्य सेमीफाइनल में जर्मनी का सामना इंग्लैंड से होगा।

भारत ने ओलंपिक चैंपियन का रोका विजयी सफर, दर्ज की शानदार जीत

भुवनेश्वर (ईएमएस)। भारतीय महिला टीम ने ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के विजयी सफर को रोककर एफआईएच प्रो लीग के पहले चरण के मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। भारत ने नीदरलैंड को 2-1 से हराया। साथ ही एफआईएच प्रतियोगिता में नीदरलैंड के लंबे विजयी सफर को रोक दिया। नीदरलैंड को प्रो लीग में पिछली हार 2020 में अर्जेंटीना के हाथों मिली थी। प्रो लीग में भारत की यह चौथी जीत है। भारत के लिए 11वें मिनट में नेहा और 28वें मिनट में सोनिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर हाफ टाइम तक 2-0 से बढ़त दिला दी थी। मुकाबले के 40वें मिनट में जेनसेन यिब्बी ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके अपनी टीम के हार के अंतर को कम किया।

नीदरलैंड दूसरे दर्जे की टीम के साथ यहां आया है, मगर भारतीय टीम ने भी 3 अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया। टोक्यो ओलंपिक टीम में टीम का हिस्सा रही लालरेम्सियामी, सलीमा टेटे और शर्मिला देवी इस समय साउथ अफ्रीका में चल रहे जूनियर वर्ल्ड कप में बिजी हैं। टोक्यो ओलंपिक में नीदरलैंड ने 5-1 से भारत को हराया था। हालांकि उस टीम का कोई भी खिलाड़ी इस टीम का हिस्सा नहीं है।

जीत ने भारतीय टीम 7 मैचों में 15 अंकों के साथ पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि नीदरलैंड इतने ही मैचों में 17 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मुकाबले में टीम अधिक समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखने में सफल रही। हालांकि नीदरलैंड ने आक्रामक खेल के दम पर ज्यादा मौके बनाए। विपक्षी टीम के खिलाड़ी 30 बार भारतीय सर्कल में पहुंचे और 13 बार गोल पोस्ट पर शॉट मारे। टीम ने सात पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया। जबकि भारतीय टीम 12 बार ही विरोधी टीम के सर्कल में पहुंच सकी। इस दौरान गोल पोस्ट पर 5 शॉट और और खिलाड़ियों ने तीन पेनल्टी कार्नर हासिल किए।

भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी ने गोल्ड पर साधा निशाना, थाईलैंड ओपन में थुआमचेरोन किया पस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी (48 किग्रा) ने स्थानीय दावेदार नटहाफोन थुआमचेरोन पर आसान जीत के साथ फुकेट में थाईलैंड ओपन का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय मुक्केबाज ने अपने दमदार मुक्कों से तीनों दौर में दबदबा बनाते हुए 5-0 से जीत दर्ज की। अमित पंघाल (52 किग्रा) और मोनिका (48 किग्रा) को हालांकि फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता पंघाल को फिलिपीन्स के रोगेन लेडन के खिलाफ बेहद कड़े मुकाबले में खंडित फैसले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दोनों मुक्केबाजों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत के 26 साल के पंघाल ने पहला दौर जीता लेकिन लेडन अगले दो दौर जीतकर मुकाबला अपने नाम करने में सफल रहे।

दूसरी तरफ मोनिका को भी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद स्थानीय मुक्केबाज चुटामस राक्सा के खिलाफ 0-5 की हार के साथ रजत पदक मिला। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल छह पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को मनीषा (57 किग्रा), पूजा (69 किग्रा) और भाग्यवती कचारी (75 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत ने एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल आठ पदक जीते थे। शनिवार को ही आशीष कुमार, अनंत प्रह्लाद चोपाडे, वरिंदर सिंह और सुमित भी स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

मौजूदा चैम्पियन पंजाब और तमिलनाडु ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

चेन्नई (ईएमएस)। मौजूदा चैम्पियन पंजाब और तमिलनाडु ने क्रमशः उत्तराखंड और केरल को हराकर 71वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप के पुरूष वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कर्नाटक और रेलवे की टीम ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पंजाब ने दूसरे चरण में कमजोर प्रदर्शन के बाद वापसी कर उत्तराखंड को 90-64 से करारी शिकस्त दी। तमिलनाडु ने अन्य क्वार्टर फाइनल में केरल पर 81-57 की जीत के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। पंजाब की जीत में अमज्योत सिंह (22 अंक) और कंवर गुरबल सिंह संधू (19) ने अहम भूमिका निभाई। तमिलनाडु के लिए कप्तान मुईन बेक (17 अंक) और अरविंद ए (15) ने अहम योगदान दिया। पंजाब सेमीफाइनल में कर्नाटक से भिड़ेगा जबकि तमिलनाडु का सामना रेलवे से होगा। कर्नाटक ने हरियाणा को 82-65 से रेलवे ने सेना को 90-68 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में भारतीय रेलवे ने असम को 94-36 से हराकर सेमी में प्रवेश किया, जहां उसका सामना तमिलनाडु से होगा। तमिलनाडु की महिलाओं ने पंजाब को 73-70 से हराकर केरल और तेलंगाना के साथ अंतिम चार में जगह बनाई।

चेन्नई की लगातार चौथी हार, हैदराबाद ने 8 विकेट से जीता मैच

मुंबई (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया है। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट गंवाकर 154 रन बनाकर हदराबाद को 155 रन का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी हैदराबाद ने सधी हुई शुरूआत की और पहले विकेट के लिए कप्तान केन विलियमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ 89 रन की जिताउ साझेदारी की। विलियमसन (32) के आउट होने के बाद शर्मा ने पारी को संभाला। हालांकि शर्मा (74) आउट हो गए लेकिन तब तक अपना काम कर गए और अंत में राहुल त्रिपाठी (15 गेंदों पर 39 रन) और निकोलस पूरन (2 गेंदों पर 5 रन) टीम को 8 विकेट से जीत दिलाकर वापस लौटे।

इसके पहले सीएसके की शुरुवात खबर रही, रॉबिन उथप्पा 11 गेंदों पर 15 रन बनाकर वाशिंगटन सुंदर की चौथे ओवर की पहली गेंद पर मार्कराम के हाथों कैच आउट हुए। इसके बाद रुतुराज गायकवाड़ 16 रन की पारी खेलकर छठे ओवर की पहली गेंद पर नटराजन के हाथों बोल्ड हुए। अंबाती रायडू 27 गेंदों पर 27 रन की पारी खेलकर आउट हुए। रायडू छक्का लगाने के चक्कर में वाशिंगटन सुंदर की 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर मार्कराम के हाथों कैच आउट हो गए। मोईन अली ने मार्कराम 15वें ओवर की पांचवीं गेंद पर त्रिपाठी बोल्ड को कैच थमा दिया और अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने 35 गेंदों पर 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। सीएसके को पांचवां झटका शिवम दुबे के रूप में लगा जो मात्र 3 रन बनाकर पवेलियन लौटे, वहां नटराजन की 16वें ओवर की तीसरी गेंद पर उमरान मलिक के हाथों कैच आउट हुए। धोनी 6 गेंदों पर 3 रन बनाकर मार्को जानसेन की 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर उमरान मलिक के हाथों कैच आउट होकर अपना विकेट गंवा बैठे। जडेजा ने भुवनेश्वर की 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश में विलियमसन को कैच थमा दिया और पवेलियन लौट गए। उन्होंने 15 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए।

ऑस्कर ने विल स्मिथ पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया

- ऑस्कर अवॉर्ड समारोह में मेजबान क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने का मामला

लॉस एंजिलिस (ईएमएस)। ऑस्कर अवॉर्ड समारोह में मेजबान क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने को लेकर एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स ने अभिनेता विल स्मिथ पर ऑस्कर या अकादमी के किसी भी अन्य सामरोह में शामिल होने पर 10 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। स्मिथ की हरकत पर अकादमी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के बाद यह फैसला किया गया है। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें भविष्य में इन पुरस्कारों के लिए नामित किया जाएगा या नहीं। अकादमी ने कहा ?कि 94वें ऑस्कर अवॉर्ड समारोह का आयोजन हमारे समुदाय के उन अनेक लोगों के लिए किया गया था, जिन्होंने पिछले एक वर्ष में अविश्वसनीय काम किया। हालांकि स्मिथ के अस्वीकार्य और गलत व्यवहार ने उन पलों को खराब कर दिया। उधर, स्मिथ ने प्रतिबंध पर कहा ?कि मैं अकादमी के फैसले का सम्मान करता हूं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही अकादमी से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले हुई बैठक में अकादमी ने कहा था कि स्मिथ ने अपनी हरकत से आचरण से जुड़े उसके मानकों का उल्लंघन किया है, जिसके तहत अनुचित रूप से शारीरिक संपर्क करना, अपशब्द कहना या धमकाना एकेडमी की प्रतिष्ठा के खिलाफ है। अकादमी ने क्रिस रॉक से माफी भी मांगी थी।

गौरतलब है कि 27 मार्च को आयोजित ऑस्कर अवॉर्ड सामरोह में सर्वश्रेष्ठ फीचर डॉक्यूमेंटरी श्रेणी के लिए ऑस्कर पुरस्कार देते हुए रॉक ने स्मिथ की पत्नी एवं अभिनेत्री जेडा पिंकेट स्मिथ का मजाक उड़ाया था। इसके बाद स्मिथ ने मंच पर आकर रॉक को थप्पड़ मार दिया था, जो ऑस्कर के इतिहास में सबसे हैरतअंगेज घटनाओं में से एक है। समारोह में स्मिथ को किंग रिचर्ड में उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से नवाजा गया था। पुरस्कार लेते समय उन्होंने अकादमी और नामित कलाकारों से माफी मांगी थी, लेकिन रॉक का नाम नहीं लिया था।

रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगेः आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारत और रूस व्यापार के लिए भुगतान निपटान समाधान पर सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस तरह का कोई भी समाधान यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद मॉस्को पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील होगा। आरबीआई ने कहा कि वह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा, जो रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ जाता हो। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इस मसले से पहले सरकार को निपटना होगा और जहां तक केंद्रीय बैंक का संबंध है, तो हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे, जो प्रतिबंधों के खिलाफ हो। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि चूंकि यूक्रेन युद्ध ने व्यापार और भुगतान को बाधित कर दिया है, इसलिए हम सभी हितधारकों के साथ चर्चा कर रहे हैं और साथ ही, हम आर्थिक प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ भी तय होने पर इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फरवरी के आ?खिर में युद्ध शुरू होने के बाद से नई दिल्ली और मॉस्को के बीच कोई नया भुगतान मंच उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय बैंक को किसी औपचारिक या अनौपचारिक रुपया-रूबल भुगतान तंत्र के बारे में पता नहीं है। उद्योग समूह, बैंक और संबंधित सभी लोग यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इन बदली हुई परिस्थितियों में सर्वोत्तम भुगतान कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा ?कि हम सभी विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन, हमें प्रतिबंधों के प्रति भी संवेदनशील होना होगा। हम इन सभी विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं। एक बार कुछ तय हो जाने के बाद आपको इसके बारे में पता चल जाएगा।

ग्राहक सेवाओं की समीक्षा और सुधार के लिए समिति बनाएगा रिजर्व बैंक

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने विनियमित इकाइयों की ग्राहक सेवाओं में सुधार के लिए एक समिति का गठन करने की घोषणा की। यह समिति उपभोक्ता संरक्षण की समीक्षा करेगी और उसे मजबूत करने के उपाय सुझाएगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा ?कि केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। इन उपायों में ग्राहक सेवा, आंतरिक शिकायत निवारण और ओम्बड्मैन प्रणाली पर नियामकीय ढांचा खड़ा करना शामिल है। दास ने कहा कि आरबीआई के नियमन के दायरे में आने वाली संस्थाओं ने उत्पादों और सेवाओं में नवाचारों, डिजिटल पैठ को गहरा किया। वित्तीय क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। ऐसे में रिजर्व बैंक के नियमन वाली इकाइयों (आरई) की मौजूदा सेवाओं और ग्राहक सेवा नियमनों की अनुकूलता की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन का प्रस्ताव है। समिति इन सेवाओं में सुधार के उपाय सुझाएगी। वित्तीय प्रणाली की मौजूदा स्थितियों, आचरण की निगरानी के निष्कर्षों, प्राप्त शिकायतों के विश्लेषण और इस उद्देश्य के लिए गठित विभिन्न समितियों से प्राप्त सिफारिशों के आधार पर विनियमित संस्थाओं को नियामक निर्देश जारी किए जाते हैं। दास ने कहा कि नियमन के तहत आने वाले संस्थानों की जलवायु के प्रभाव की समझ को बेहतर करने और वित्तीय जोखिमों के प्रभाव के आकलन के लिए जलवायु जोखिम और सतत वित्त पर एक परिचर्चा पत्र प्रकाशित किया जाएगा और इस पर विचार लिए जाएंगे।

बीते वित्त वर्ष में कर संग्रह बढ़कर रिकॉर्ड 27 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में देश में कुल कर संग्रह रिकॉर्ड 27.07 लाख करोड़ रुपए रहा। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में बढ़ोतरी से संग्रह बढ़ा है। राजस्व सचिव तरूण बजाज ने कहा कि सकल कर संग्रह अप्रैल 2021 से मार्च 2022 में 27.07 लाख करोड़ रुपए जबकि बजट में अनुमान 22.17 लाख करोड़ रुपए का था। प्रत्यक्ष कर संग्रह इस दौरान 49 प्रतिशत उछलकर 14.10 लाख करोड़ रुपए रहा जो बजट अनुमान से 3.02 लाख करोड़ रुपए अधिक है। प्रत्यक्ष कर के अंतर्गत व्यक्तिगत आयकर और कंपनी कर आता है। उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क समेत अप्रत्यक्ष कर संग्रह 2021-22 में 30 प्रतिशत बढ़कर 12.90 लाख करोड़ रुपए रहा जो बजट अनुमान से 1.88 लाख करोड़ रुपए अधिक है। बजट में अप्रत्यक्ष कर संग्रह 11.02 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया था। कर-जीडीपी अनुपात बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 11.7 प्रतिशत पर पहुंच गया जो 2020-21 में 10.3 प्रतिशत था। यह 1999 के बाद सर्वाधिक है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में अब तक की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

- विदेशी मुद्रा भंडार 11.173 अरब डॉलर घटकर 606.475 अरब डॉलर रहा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भू-राजनीतिक घटनाक्रम के कारण मुद्रा दबाव में आने से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के साथ 11.173 अरब डॉलर घटकर 606.475 अरब डॉलर रह गया है। 25 मार्च को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 बिलियन अमरीकी डॉलर घटकर 617.648 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया था। गौरतलब है ?कि इससे पहले पिछली सबसे खराब साप्ताहिक गिरावट 11 मार्च को समाप्त सप्ताह में थी, तब विदेशी मुद्रा भंडार में 9.6 बिलियन अमरीकी डॉलर की गिरावट आई थी। विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट मुख्य मुद्रा परिसंपत्तियों में गिरावट के कारण आई जो 10.727 बिलियन अमरीकी डॉलर गिरकर 539.727 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गई। फिलहाल, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने मुद्रा बाजारों में परेशानियां पैदा कर दी हैं। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल हैं। आमतौर पर मुद्रा बाजार में अस्थिरता को कम करने के लिए आरबीआई अपने भंडार से कुछ हिस्सा बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करता है।

आरबीआई के आंकड़ों से पता चला कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोने के भंडार का मूल्य भी 507 मिलियन अमरीकी डालर घटकर 42.734 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। आरबीआई ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ विशेष आहरण अधिकार (एडीआर) 58 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 18.879 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमएफ के साथ देश की रिजर्व पोजिशन भी समीक्षाधीन सप्ताह में 4 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 5.136 बिलियन अमरीकी डालर हो गई है।

अमेरिका बोला- भारत रूस के साथ अपनी गुटनिरपेक्ष जी-77 साझेदारी को समाप्त कर ले

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारत के रूस के साथ मधुर संबंध अमेरिका को चुभ रहे हैं। अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा है कि अमेरिका चाहेगा कि भारत गुटनिरपेक्ष समूह में शामिल रहे देशों के संगठन जी-77 के तहत रूस के साथ अपने संबंधों और साझेदारी को घटाये तथा गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत छोड़ दे। शर्मन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के समक्ष यह बात कही और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। बाइडेन प्रशासन ने सांसदों से कहा है कि यह समय भारत और अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी को और अधिक मजबूत करने का है, क्योंकि दोनों ही देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को समृद्ध और सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

शर्मन ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। उसके साथ हमारे मजबूत रक्षा संबंध हैं। वे ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड का भी हिस्सा हैं। हमने साथ मिलकर कई ऐसे कदम उठाए हैं, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य टिम बर्चेट के एक सवाल के जवाब में शर्मन ने कहा, हम स्पष्ट रूप से ऐसा चाहेंगे कि भारत रूस के साथ अपनी गुटनिरपेक्ष जी-77 साझेदारी को समाप्त कर ले। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारतीय अधिकारियों से कहा है कि प्रतिबंधों के कारण रूस से रक्षा और तकनीकी उपकरणों के कलपुर्जे हासिल करना या उन्हें बदलना भारत के लिए अब बहुत मुश्किल होगा। अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने कहा, भारत ने हमारे साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रक्षा उपकरणों की खरीद और उनके सह-उत्पादन के प्रयासों को बढ़ाया है। और मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध और अधिक मजबूत होंगे। गौरतलब है कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत द्वारा रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद पर चिंता व्यक्त की है।

पाक सेना के पूर्व अधिकारी का 'विदेशी साजिश' को लेकर जांच आयोग का नेतृत्व करने से इंकार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी सेना के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने संघीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को अपदस्थ करने की कथित ' विदेशी साजिश' की जांच और अमेरिका से भेज गए तथाकथित 'धमकी भरे पत्र' के तथ्यों को सामने लाने के लिए गठित आयोग का नेतृत्व करने से इंकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 'पत्र' और कथित साजिश के आधार पर नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव को तीन अप्रैल को खारिज कर दिया था। हालांकि, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उनके निर्णय को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार शनिवार को प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर आगे की कार्यवाही के लिए संसद का अहम सत्र शुरू हुआ।

खबर के मुताबिक, पाकिस्तानी सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने लेफ्टिनेंट जनरल (अवकाश प्राप्त) तारिक खान के नेतृत्व में एक आयोग का गठन किया, जो यह पता लगाएगी कि सत्ता परिवर्तन की धमकी जिसका जिक्र पत्र में किया गया था, वह वास्तव में था या नहीं। पत्र का सबसे पहले खुलासा प्रधानमंत्री खान ने 27 मार्च को एक जनसभा में किया था। इस दौरान पीएम इमरान खान ने दावा किया था कि पत्र में अमेरिका से उनकी सरकार को लेकर धमकी है। खबर के मुताबिक लेफ्टिनेंट जनरल (अवकाश प्राप्त) खान ने आयोग की अध्यक्षता करने से इंकार कर अपने निर्णय से सरकार को भी अवगत करा दिया है। खबर के मुताबिक सैन्य अधिकारी ने अपने निर्णय के पीछे कोई वजह नहीं जाहिर की है। आयोग को यह पता लगाना है कि कितने सांसदों से विदेशी ताकतों ने संपर्क किया और इस संबंध में 90 दिनों में उस अपनी रिपोर्ट देनी है। चौधरी ने कहा था, हमारे पास सबूत हैं, कि प्रांतीय विधानसभाओं के आठ असंतुष्ट सदस्यों से विदेशी हस्तियों ने संपर्क किया था। आयोग स्थानीय आकाओं और सत्ता परिवर्तन की चाह रखने वाले के बीच संबंध की जांच करेगा।'' उन्होंने कहा कि सांसदों को शनिवार को अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले धमकी भरे पत्र की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। स्थानीय मीडिया ने चौधरी के हवाले से कहा, एक बार पत्र की चुनिंदा सामग्री सार्वजनिक किए जाने के बाद यह सांसदों पर होगा कि वे (अविश्वास प्रस्ताव पर)मतदान करते समय अपनी अंतर आत्मा की आवाज के आधार पर फैसला करें।''

कीर्तन सेवा के लिए कनाडा गए श्री दरबार साहिब का हजूरी रागी जत्था लापता, नहीं लग रहा सुराग

टोरांटो (ईएमएस)। कीर्तन सेवा के लिए कनाडा गए श्री दरबार साहिब का हजूरी रागी जत्था लापता है, उसका कोई सुराग नहीं लग रहा है।

यहां के गुरुद्वारा सिख स्पिरिचुअल सेंटर रैकसडेल की मैनेजमेंट कमेटी द्वारा श्री दरबार साहिब अमृतसर के कीर्तनी जत्थे को स्पांसर करके गुरुद्वारा साहिब में कीर्तन की सेवा के लिए मंगवाया गया था। 6 महीने के लिए गुरुद्वारा साहिब के प्रधान अमरजीत सिंह दयोल, सेक्रेटरी मेजर सिंह और डायरेक्टर बलविन्दर सिंह गिल की तरफ से लिखित तौर पर तारीख 2 जनवरी 2022 को स्पांसर किए गए हजूरी रागी भाई कुलदीप सिंह रामपुरा निवासी रामपुरा झीते कलां अमृतसर के इस जत्थे में शामिल कुलदीप सिंह रामपुरा के पासपोर्ट नंबर एन-5640345, जन्म तारीख 2 जनवरी 1985 आप और इस जत्थे के दो अन्य साथी जिनमें तेजिन्दर सिंह के पासपोर्ट नंबर बी-1383325, जन्म तारीख 22 दिसंबर 1990 निवासी किशनकोट बटाला गुरदासपुर और सतनाम सिंह के पासपोर्ट नंबर पी - 6839110, जन्म तारीख 20 जुलाई 1985 आदि भारत से कैनेडियन एम्बैसी से वीजा मिलने उपरांत गत रात टोरंटो पहुंचे और रात को बाकायदा इस गुरुद्वारा साहिब रुके और लंगर भी छका। अगले दिन सुबह जब प्रबंधकों की तरफ से देखा गया तो इस जत्थे के तीनों ही हजूरी रागी फरार थे। यह खबर लिखे जाने तक इनका कोई सुराग नहीं मिला। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जहां कनाडा के इमीग्रेशन विभाग को घटना की सूचना दी है, वहीं समूची साध-संगत को भी विनती की कि वह ऐसे लोगों को ढूंढने में उनका सहयोग करें ।

अभी खत्म नहीं हुई महामारी, एशिया में बड़े पैमाने पर आ रहे कोरोना मरीज : गुतारेस

जेनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ महासचिव ने कहा कि औसतन हर चार माह में सार्स-कोव-2 वायरस का एक नया स्वरूप सामने आ रहा है। एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया है कि कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। एशिया में अब भी बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। गुतारेस ने सरकारों और दवा कंपनियों से हर जगह, हर व्यक्ति तक टीके पहुंचाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

यूएन महासचिव ने गावी कोवैक्स एडवांस मार्केट कमिटमेंट समिट-2022 में दिए एक वीडियो संदेश 'वन वर्ल्ड प्रोटेक्टेड-ब्रेक कोविड नाउ' में कहा, यह बैठक इस बात की याद दिलाने के लिए महत्वपूर्ण है कि कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। रोजाना औसतन 15 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। एशिया में बड़े पैमाने पर मरीज मिल रहे हैं। पूरे यूरोप में एक नयी लहर फैल रही है।

गुतारेस ने कहा कुछ देशों में महामारी की शुरुआत के बाद से मृत्यु दर सबसे अधिक दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप ने सबको हैरत में डाल दिया था और यह इस बात की याद दिलाता है कि उच्च टीकाकरण दर के अभाव में वायरस कितनी जल्दी उत्परिवर्तित होकर फैल सकता है।

यूएन महासचिव ने अफसोस जताया कि कुछ उच्च आय वाले देश अपने नागरिकों को दूसरी बूस्टर खुराक देने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि एक-तिहाई वैश्विक आबादी का टीकाकरण शुरू भी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा यह हमारी असमान दुनिया का एक क्रूर सत्य है। यह नए स्वरूपों के अस्तित्व में आने, अधिक मौतें होने और मानव समाज के लिए आर्थिक दुश्वारियां बढ़ने की प्रमुख वजह भी बन रहा है। गुतारेस ने कहा कि अगले स्वरूप की दस्तक को लेकर 'अगर' नहीं, बल्कि 'कब' का सवाल उठना चाहिए।

उन्होंने कहा हम इस साल के मध्य तक हर देश की 70 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण के लक्ष्य से बहुत दूर हैं। औसतन हर चार महीने पर नए स्वरूप का सामने आना इस बात की चेतावनी देता है कि समयसीमा का पालन कितना अहम है। गुतारेस ने कहा कि सरकारों और दवा कंपनियों को एक साथ काम करने की जरूरत है, ताकि हर जगह हर व्यक्ति को टीके पहुंचाए जा सकें, न कि सिर्फ अमीर देशों में।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा था कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का एक नया स्वरूप, जो पहली बार ब्रिटेन में पाया गया था, वायरस के पिछले स्वरूपों की तुलना में अधिक संक्रामक प्रतीत होता है। डब्ल्यूएचओ ने पिछले सप्ताह कहा था कि एक्सई स्वरूप (बीए।1-बीए.2) का पहली बार ब्रिटेन में 19 जनवरी को पता चला था और तब से इसके 600 से अधिक रूपों की पुष्टि की गई है। इस हफ्ते जारी डब्ल्यूएचओ की साप्ताहिक संक्रमण रिपोर्ट में उसके छह क्षेत्रों में 90 लाख से अधिक नए मामले सामने आने और 26,000 से अधिक मौतें होने की जानकारी दी गई है। सभी क्षेत्रों से नए साप्ताहिक मामलों और मौतों की संख्या में घटते रुझान के संकेत मिले हैं। वैश्विक स्तर पर तीन अप्रैल तक 48.9 करोड़ से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 60 लाख से अधिक मौतें हुई हैं।

देशों की बात करें तो सबसे अधिक नए साप्ताहिक मामले दक्षिण कोरिया 2,058,375 नए मामले, जर्मनी में 1,371,270 नए मामले, फ्रांस में 959,084 नए मामले, वियतनाम में 796,725 नए मामले और इटली 486,695 नए मामले दर्ज किए गए। वहीं, मौतों की बात करें तो सबसे ज्यादा अमेरिका में 4,435 मौतें, रूस में 2,357 मौतें, दक्षिण कोरिया में 2,336 मौतें, जर्मनी में 1,592 मौतें और ब्राजील में 1,436 मौतें दर्ज की गईं।

भारत के मामले में दोहरी नीति क्यों अपनाता है अमेरिका, उमर से सवाल का शर्मन ने दिया जवाब

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारत विरोधी तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले डेमोक्रेटिक सांसद उल्हान उमर ने अमेरिका पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा बाइडेन सरकार मानवाधिकारों के मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की आलोचना करने से परहेज करती है। सदन की विदेश मामलों की समिति के समक्ष पेश हुई विदेश उपमंत्री वेंडी शर्मन ने उनके आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि बाइडन प्रशासन भारत समेत सभी देशों के साथ मानवाधिकारों के मुद्दे को उठाता रहा है।

उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम उन देशों के साथ बातचीत करें, जिनके साथ मानवाधिकारों पर चिंताओं को लेकर हमारे कई हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा हम सभ्य समाज से मुलाकात करें। हम उन मुद्दों से निपटें। हम इन मुद्दों पर काम कर रहे एनजीओ का समर्थन करें। हम पत्रकारों और पत्रकारों की आजादी का समर्थन करें। शर्मन ने कहा कि हम उन देशों में भी मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाते रहे हैं, जहां उन देशों की सरकारों के साथ हमारे कई अन्य एजेंडा होते हैं। मुझे लगता है कि आप इसे कहीं भी देखेंगे।

उन्होने कहा कि जब मैं उप विदेश मंत्री के तौर पर पिछली बार भारत गई थी तो मैंने एलजीबीटीक्यूआई समुदाय से मुलाकात की थी। मैं आपको बताना चाहती हूं कि पांच साल पहले ऐसी कोई बैठक नहीं होती थी। कांग्रेस सदस्य उमर के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जब जो बाइडन राष्ट्रपति बने तो उन्होंने कहा था कि मानवाधिकार उनकी विदेश नीति के केंद्र में होगा। बहरहाल, उमर जवाबों से संतुष्ट नजर नहीं आईं। उन्होंने पूछा मैं असल में इसकी सराहना करती हूं और जब आपके पूर्ववर्ती यहां थे तो मैंने उनसे भी यही सवाल पूछा था।

एटीएम कार्ड से कैश निकालने पर आरबीआई का नया ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने सभी बैंकों को एटीएम से बिना कार्ड (कार्डलेस) के कैश निकालने की सुविधा शुरू करने की अनुमति देने का ऐलान किया। वर्तमान में देश के कुछ ही बैंकों में यह सुविधा है। इनमें से एक बैंक एसबीआई भी है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई के एटीएम से आप बिना कार्ड के भी कैश निकाल सकते हैं। दरअसल, 1 जनवरी 2020 से एसबीआई ने ओटीपी बेस्ड ट्रांजेक्शन की शुरुआत की थी। इस सुविधा के तहत सबसे पहले एसबीआई ग्राहक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। ग्राहक इस ओटीपी को एंटर कर एटीएम से कैश की निकासी कर सकते हैं। ये ओटीपी कुछ मिनटों और एक बार के ट्रांजेक्शन के लिए वैलिड होगा। इस तरीके से एक बार में 10 हजार रुपए या उससे अधिक निकाल सकते हैं। कहने का मतलब ये है कि इसके लिए ग्राहकों को एसबीआई के डेबिड कार्ड की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको बता दें कि एसबीआई के अलावा आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख बैंक इस सुविधा की पेशकश कर रहे हैं। सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए ग्राहकों को संबंधित बैंक के ऐप या वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना होगा और कार्ड-रहित नकद निकासी करनी होगी। आरबीआई की ताजा घोषणा के साथ कार्ड रहित लेनदेन अब किसी भी एटीएम पर किया जा सकता है, भले ही ग्राहक का बैंक कोई भी हो। दरअसल, 1 जनवरी 2020 से एसबीआई ने ओटीपी बेस्ड ट्रांजेक्शन की शुरुआत की थी।

इमरान को दोहरा झटका, अब खैबर पख्तूनख्वा के सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान संकट के बादल शनिवार सुबह मंडराने लगे दरअसल, पाकिस्तानी संसद में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होना है। उससे चंद घंटे पहले ही विपक्षी दलों ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार है। अभी कुछ दिन पहले ही विपक्षी दलों ने पंजाब सूबे से मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था। जिसके बाद इमरान खान ने आनन-फानन में बुझदार का इस्तीफा लेकर पीएमएलएन-क्यू को मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया था। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के वरिष्ठ विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महमूद खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। विधानसभा सचिवालय को दिए नोटिस में विपक्षी दलों ने लिखा है कि हम प्रस्ताव करते हैं कि खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभा के नियम 18डी के उप-नियम (1) के तहत और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान का संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की मंजूरी दी जाए।

सिंगापुर में भारतीय शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी से जुड़े मामलों की जांच जारी

सिंगापुर (ईएमएस)। सिंगापुर उच्च न्यायालय की ओर से नियुक्त परिसमापक एक भारतीय शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी से जुड़े मामलों और संपत्तियों के विनिवेश की जांच कर रहा है। यह कंपनी गुरुग्राम स्थित कंपनी से जुड़ी है, जिसकी संपत्तियां भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क की हुई हैं। पिछले महीने ईडी ने धनशोधन निरोधक कानून पीएमएलए के तहत गुरुग्राम की कंपनी एडुकॉम्प प्रोफेशनल एजुकेशन लिमिटेड की 90.31 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में की गई है।

सिंगापुर के परिसमापक वोंग जू वान ने कहा कि वह 30 जून 2017 से एडुकॉम्प एशिया पेसिफिक की कुछ संपत्तियों के कथित विनिवेश मामले की जांच कर रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक और ओसीबीसी बैंक ऑफ सिंगापुर में स्थित कंपनी खातों में हुए लेनदेन की भी पड़ताल चल रही है।

रक्षा उपकरणों एवं उर्वरक के लिए रूस पर भारत की निर्भरता अधिकः पूर्व अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन (ईएमएस)। अगले सप्ताह होने वाली टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय बैठक से पूर्व एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा है कि उर्वरकों जैसी कुछ अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति के साथ बड़े रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर भारत की निर्भरता बहुत अधिक है। अमेरिका की विदेश उपमंत्री विंडी शर्मन ने प्रतिनिधि सभा की विदेश विषयक समिति के सामने रूस पर भारत के रूख तथा यूक्रेन के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में (मतदान के दौरान) उसकी बार-बार गैरहाजिरी के बारे में पूरी स्थिति विस्तार से रखी। शर्मन ने समिति के अध्यक्ष ग्रेगरी मीक्स के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा ?कि मैं आपसे सहमत हूं, मैं उसे संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव के पक्ष में राजी करता और हमने जितना हो सकता है, उससे सीधी बात की है। विदेश मंत्री (एंटनी) ब्लिंकन नियमित आधार पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा ?कि हम अपनी चिंताए बड़ी साफगोई से रख रहे हैं लेकिन भारत का रूस के साथ संबंध का एक इतिहास है। उसके ज्यादातर रक्षा उपकरण मूल रूप से रूस से थे। वह उर्वरक के लिए रूस पर निर्भर करता है, जो उसके कृषि विकास के लिए अहम है। उन्होंने कहा ?कि यह कहना ठीक नहीं है कि उसने जो चुनाव किया, उससे हम खुश हैं। हमने उनसे कहा कि पाबंदियों के चलते वह रूसी उपकरण हासिल नहीं कर पाएंगे। वह अपने उपकरण या हथियारों की मरम्मत नहीं करवा पाएंगे। शर्मन ने सांसदों से कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ मजबूत रक्षा संबंध बनाया है, जो अमेरिकी रक्षा समुदाय, उसकी रक्षा बिक्री एवं भारत के साथ संयुक्त सहयोग के लिए अहम है।

इमरान खान द्वारा भारत की प्रशंसा पर भड़की मरियम नवाज, बोली- भारत इतना पसंद तो वहीं चले जाएं

इस्लामाबाद (ईएमएस)। सियासी मुस्किलों से घिरे पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने भारत की प्रशंसा क्या की मुस्लिम लीग-नवाज की नेता मरियम नवाज उनपर बरस पड़ी। मरियम ने कहा कि पीएम इमरान को किसी और ने नहीं बल्कि उनकी अपनी पार्टी ने घर भेजा है। अगर उन्हें भारत इतना पसंद है तो वे पाकिस्तान को अकेला छोड़कर वहीं क्यों नहीं चले जाते। वहीं, विपक्ष के नेता और नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया है कि इमरान खान अवाम से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता से चिपके रहने वाला व्यक्ति स्वाभिमानी नहीं बल्कि स्वार्थी होता है। दरअसल, एक दिन पहले ही इमरान खान ने अवाम को संबोधित करते हुए भारत की शान में कसीदे पढ़े थे। इमरान ने कहा था कि भारत हमारे साथ ही आजाद हुआ था। भारत से मुझे काफी इज्जत और प्यार मिला है। मुझे बहुत अफसोस है कि आरएसएस की विचारधारा और कश्मीर में जो किया उसके कारण हमारे रिश्ते अच्छे नहीं हैं। भारत खुद्दार कौम है, कभी किसी की जुर्रत नहीं है कि वहां ऐसी बात करें। किसी सुपर पावर की हैसियत नहीं है। भारत अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने जा रहा है। यूरोपीय संघ के राजदूतों ने पाकिस्तान को चिट्ठी लिखकर रूस के खिलाफ बयान देने को कहा था। लेकिन, उनकी हिम्मत नहीं थी कि ऐसी चिट्ठी भारत में लिखते।

मरियम नवाज ने ट्वीट कर कहा कि पीएम इमरान को किसी और ने नहीं बल्कि उनकी अपनी पार्टी ने घर भेजा है। अगर आप भारत को इतना पसंद करते हैं तो आप वहां क्यों नहीं जाते और पाकिस्तान को अकेला छोड़ देते हैं। मरियम ने कहा कि भारत के विभिन्न प्रधानमंत्रियों के खिलाफ कुल 27 अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए हैं और किसी ने भी पीएम इमरान की तरह देश के संविधान का शोषण नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक वोट से हार गए और सरकार से इस्तीफा दे दिया, लेकिन इसके ठीक उलट आप वो हैं जिसने संविधान और पूरे देश को बंधक बना लिया है। पाकिस्तानी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता से चिपके रहने वाला व्यक्ति स्वाभिमानी नहीं बल्कि स्वार्थी होता है। उन्होंने कहा कि इमरान खान संसद, संविधान और न्यायपालिका पर हमला कर रहे हैं क्योंकि वह सत्ता खोने के बाद दुख में डूबे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री वोटिंग से पहले ही अविश्वास प्रस्ताव की सफलता की घोषणा कर चुके हैं।

शहबाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान नियाजी विदेशी चिट्ठी वाले दावे पर झूठे साबित हो चुके हैं। वे अवाम को भेड़-बकरी समझते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तथ्यों का विश्लेषण करने के बाद ही नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी के फैसले को रद्द करने का ऐलान किया था। उन्होंने शनिवार को पाकिस्तानी संसद में विश्वास मत के दौरान इमरान खान को हराने का दावा भी किया।

वर्चुअल माध्यम से अदालती कार्यवाही में सहयोग देकर राज्य सरकार ने अदालतों को मुहैया कराई आवश्यक सुविधाएंः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने केवड़िया में दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन के अवसर पर महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, मोरारजी देसाई और विश्व नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भूमि गुजरात में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन देश में न्यायपालिका को अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग होने से नागरिकों को शीघ्र और आसानी से न्याय मिले उसके लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर आयोजित हो रहा यह सम्मेलन देशभर में न्यायतंत्र के लिए अमृत काल बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रेरणास्त्रोत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 562 देशी रियासतों को आजादी के बाद भारत परिसंघ में शामिल करने की प्रक्रिया में मध्यस्थता की अनोखी मिसाल पेश की थी। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी सदियों से मध्यस्थता की ऐसी परंपरा अस्तित्व में थी। यह परंपरा मौजूदा न्याय प्रणाली के अनुरूप है। उन्होंने विश्वास जताया कि मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकार अपने विवाद को अलग-अलग दृष्टिकोण से समझकर सर्वस्वीकार्य समाधान के जरिए न्याय प्राप्त हो सके उसके लिए आज का सम्मेलन महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पक्षकारों द्वारा विवादों का शीघ्र समाधान हो उसके लिए मध्यस्थ सहायक होता है। जिसके कारण पक्षकारों के बीच विवाद का निराकरण लाकर अदालती मामला खत्म होता है और अदालत का बोझ कम होता है। पटेल ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' की पारिवारिक भावना को बरकरार रखते हुए पारिवारिक विवादों का समाधान कोर्ट-कचहरी के बाहर सामाजिक, धार्मिक या प्रतिष्ठित व्यक्तियों के हस्तक्षेप से समाधान के लिए 'फैमिली फर्स्ट' की समझाइश की नई अवधारणा अपनाई है। इसके लिए जिला एवं तहसील स्तर पर समितियों का गठन भी किया गया है। सामाजिक सौहार्द, समरसता और बंधुत्व जैसे संविधान के मूलभूत सिद्धांतों को साकार करने में यह प्रयोग एक सफल माध्यम बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के रोल मॉडल गुजरात ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अनेक नए आयाम स्थापित कर जनसेवा प्रकल्पों और जनहित के कार्यों में ऑनलाइन प्रक्रिया का उपयोग कर जन सेवाओं को और भी पारदर्शी बनाकर देशभर में आगे रहते हुए प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका निभाकर देश को राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उनकी दहलीज तक पहुंचाने के लिए डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम का अभिनव दृष्टिकोण अपनाकर सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। इतना ही नहीं, 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को भारत नेट के अंतर्गत ब्रॉड बैंड कनेक्टिविटी, ई-धरा और ई-ग्राम विश्वग्राम प्रोजेक्ट के जरिए गुजरात में जनसामान्य तक सूचना प्रौद्योगिकी के दायरे का विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने न्यायतंत्र में डिजिटलाइजेशन और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का व्यापक उपयोग किया है। कोरोना की वैश्विक महामारी के बीच भी कोई न्याय से वंचित न रहे, ऐसे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जनहितकारी दृष्टिकोण को राज्य सरकार ने वर्चुअल माध्यम से अदालती कार्यवाही में सहयोग देकर अदालतों को आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई हैं। इसके साथ ही न्यायपालिका में आईटी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन सहित वर्चुअल सुनवाई के मार्फत पारदर्शिता लाने के संबंध में भी राज्य सरकार ने न्यायतंत्र को सहयोग दिया है। गुजरात की न्यायपालिका ने हाई कोर्ट की कार्यवाही का यू-टयूब के माध्यम से लाइव टेलिकासस्ट करने की देशभर में प्रथम पहल कर देश को एक नई राह दिखाई है।

आईएससीसीएम ने क्रिटिकल केयर मेडिसिन में नए आयाम की तलाश के लिए क्रिटिकेयर 2022 सम्मेलन आयोजित किया

अप्रैल 2022: इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (घ्एण्ण्श) ने अपना 28वां वार्षिक सम्मेलन 'क्रिटिकेयर 2022' अहमदाबाद में आयोजित किया। महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर, गांधीनगर में 6 से 10 अप्रैल 2022 तक आयोजित इस कान्फ्रेंस का उद्देश्य क्रिटिकल केयर मेडिसिन में जागरूकता, सतत शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर बोलते हुए, क्रिटिकेयर 2022 के आयोजन सचिव डॉ. अरिंदम कर ने कहा, ठमैं इस अवसर पर इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के 28 वें वार्षिक सम्मेलन ठक्रिटिकेयर 2022 ठ में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, मेहमानों और प्रतिनिधियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। यह बेहद उत्साहजनक है कि यह आयोजन हमारे सम्मानित प्रतिनिधियों और फैकल्टी के लिए अपने अनुभवों, नए रुझानों, नवीन प्रौद्योगिकी और नई दवाओं से जुड़े अपने शोध को प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में उभरा है। ''

'क्रिटिकेयर 2022' में 2500 से अधिक डॉक्टरों, 500 हेल्थ केयर प्रोफेशनल और 1000 तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में शहर के विशेष लोग और आम जनता समान रूप से उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को स्मृति चिह्न देर सम्मान किया

अहमदाबाद (ईएमएस) केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास एकता नगर में शनिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की यात्रा पर आए सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमना, केंद्रीय विधि मंत्री किरण रिजिजू और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश आर.एम. शाह, बेलाबेन त्रिवेदी और गुजरात के राजस्व एवं विधि मंत्री राजेंद्रभाई त्रिवेदी उपस्थित रहे।

मध्यस्थता के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान का विचार भारत में कानूनी परिदृश्य को बदल सकता हैः चीफ जस्टिस

अहमदाबाद (ईएमएस) देश के प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमना ने केवडिया में आयोजित राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष मानवजाति का दूसरा चेहरा है। संघर्ष से होने वाले नुकसान एवं असुविधा को देखने के लिए व्यक्ति के पास दूरदर्शिता होनी चाहिए। विवाद न केवल पक्षकारों के आपसी संबंध को बिगाड़ता है, बल्कि लंबे वक्त तक चलने वाला मुकदमा उनके संसाधनों को ही नष्ट कर सकता है और जीवनपर्यन्त की दुश्मनी की वजह बनता है। प्रत्येक संघर्ष या मतभेद का अंत अदालत में ही हो यह जरूरी भी नहीं है। महाभारत का दृष्टांत देते हुए उन्होंने कहा कि तटस्थ माहौल में मतभेदों को हल किया जा सकता है, जहां सभी पक्षकारों को उनका इच्छित न्याय मिलता है। कारण यह है कि जीवन एक संतुलित कार्य है। गुजरात व्यापारियों के लिए जाना जाता है और उनसे बेहतर और कोई नहीं जानता कि यदि समय को खो दिया मतलब धन खो दिया। इसलिए यह आवश्यक है कि विवाद का समाधान जल्द हो। उन्होंने कहा कि विवादों को प्रभावी तरीके से और शीघ्रता से हल करने की जरूरत को समझने के लिए व्यापारियों से अच्छा उदाहण भला और क्या होगा। वास्तव में कुशल उद्योगपति ऐसे विवादों का सामना करते हैं। लोक अदालतों और मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान का विचार भारत में कानूनी परिदृश्य को बदल सकता है। वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) संसाधनों को भी बचा सकता है। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर मध्यस्थता और बातचीत विवादों को हल करने की सबसे बेहतर पद्धति है, क्योंकि वह पक्षकारों की सहभागिता को अधिकतम बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में बाहर के लोगों के बजाय सीधी भागीदारी वाले नागरिक प्रक्रिया के अंदर के लोग होंगे। मध्यस्थता अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में भी चलन में आ रही है। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर ही निजी मध्यस्थता भी सामान्य बन रही है। एडीआर की संपूर्ण संभावना को साकार करने में अदालतों की भूमिका निर्णायक है। केस मैनेजमेंट के लिए मध्यस्थता और बातचीत को अनिवार्य बनाने के लिए अदालतों को सक्रिय प्रयास करना चाहिए। वकीलों को प्रि-लिटिगेशन मध्यस्थता के किसी भी अवसर को छोड़ना नहीं चाहिए।

अहमदाबाद स्टेशन पर ''वन स्टेशन वन प्रोडक्ट'' योजना के अंतर्गत 'हैन्डलूम कारपेट और अन्य फ़्लोरिंग प्रोडक्ट' का स्टॉल लगाया गया

अहमदाबाद , भारतीय रेलवे द्वारा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए स्थानीय उत्पादों को लोकप्रिय एवं सर्व सुलभ बनाने हेतु वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में ''वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट योजना'' शुरू की गई है। इसी क्रम में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर ''हैन्डलूम कारपेट एवं अन्य फ़्लोरिंग प्रॉडक्ट'' का प्रायोगिक तौर एक पर स्टॉल लगाया गया है। जिससे रेलवे द्वारा यात्रा करने वाले यात्री लाभान्वित हो सकेंगे। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का लक्ष्य यात्रियों को बेहतर क्वालिटी एवं उच्च गुणवत्ता वाले स्थानिक उत्पादों को किफायती दरों पर यात्रियों को उपलब्ध कराना है। साथ ही स्थानीय उत्पाद को बनाने वाले आर्टिज़न को भी लाभान्वित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर कॉनकोर्स हॉल में गेट नं.1 के पास ''हैन्डलूम कारपेट एवं अन्य फ़्लोरिंग प्रॉडक्ट'' का एक स्टॉल लगाया गया है। यह स्टॉल प्रायोगिक तौर पर आगामी 15 दिनों के लिए ?500/- के मामूली टोकन राशि पर आवंटित किया गया है। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार इस योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर उस जगह के खास उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाये गए हैं। उत्पादों के स्टॉल लगाने से जिस रेलवे स्टेशन पर यात्री उतरेंगे, यात्री वहां के खास उत्पादों के बारे में आसानी से जान सकेंगे। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत स्थानिक उत्पादों का प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलेगी। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना का प्रमुख उद्देश्य रेलवे का उपयोग करके स्थानीय उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना है। इस कार्यक्रम के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक रवीन्द्र श्रीवास्तव, स्टेशन मेनेजेर अनुराग शिब्बू, सहायक वाणिज्य प्रबंधक हितेश जोशी सहित अन्य अधिकारीगण, रेल कर्मचारी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

न्याय में इच्छित परिणाम के लिए सभी पक्षों को मध्यस्थता के प्रति सकारात्मक रवैया रखना चाहिएः राष्ट्रपति

- रामनाथ कोविंद ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का किया उद्घाटन

अहमदाबाद (ईएमएस) राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने त्वरित न्याय प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि न्याय में इच्छित परिणाम तक पहुंचने के लिए सभी पक्षों को मध्यस्थता को लेकर सकारात्मक रवैया रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में विवादों के वैकल्पिक समाधान की पद्धति न्याय तंत्र में प्रभावी साबित हुई है। विशेषकर दीवानी मामलों में इसके जरिए सुखद समाधान लाया जा सकता है। राष्ट्रपति ने यह बात शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास स्थित एकता नगर में 'मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी' विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति एन.वी. रमना, केंद्रीय विधि मंत्री किरण रिजिजू, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और सर्वोच्च न्यायालय एवं विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने लीगल प्रैक्टिशनर यानी अधिवक्ता के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए कहा कि उन वर्षों के दौरान उनके मन-मस्तिष्क पर जो मुद्दे छाए रहते थे, उनमें से एक 'एक्सेस टू जस्टिस' अर्थात न्याय तक पहुंच का मुद्दा भी था। 'न्याय' शब्द में बहुत कुछ समाहित है और हमारे संविधान की प्रस्तावना में उस पर समुचित तरीके से जोर दिया गया है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय की पहुंच को कैसे सुधारा जा सकता है उस विषय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के लिए विषयों का चुनाव बहुत सावधानी से किया गया है। न्याय तंत्र में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) दोनों कई वजहों से काफी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके लिए वह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह सिस्टम को और भी कार्यकुशल बनाने में सहायक होगा और न्याय देने के लिए ज्यादा सक्षम बनेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दो दशकों के दौरान सभी पक्षकारों ने विवाद के समाधान के लिए मध्यस्थता को प्रभावी साधन माना है और उसे प्रोत्साहन दिया है। कई कानूनी विद्वानों ने यह भी अवलोकन किया है कि नागरिक अधिकारों के संदर्भ में लोगों के बीच अदालतों में लंबित ज्यादातर मामले ऐसे होते हैं कि उन्हें निर्णय की जरूरत नहीं है। ऐसे मामलों में पक्षकार मध्यस्थों के संरचनात्मक हस्तक्षेप के मार्फत उनके विवाद का समाधान कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता का उद्देश्य विवाद का किसी आदेश या शक्ति के जरिए निराकरण करने का नहीं बल्कि पक्षकारों को व्यवस्थित मध्यस्थता बैठकें आयोजित कर समाधान पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने का है। कानून एक प्रोत्साहन भी देता है, यदि किसी भी लंबित मामले को मध्यस्थता के जरिए सुलझाया जाता है, तो आवेदक पक्ष द्वारा जमा की गई संपूर्ण न्यायालय फीस को वापस कर दिया जाता है। इस तरह देखा जाए तो वास्तव में मध्यस्था से समाधान लाने में हर पक्ष विजेता है। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता की अवधारणा को अभी पूरे देश में व्यापक स्वीकृति नहीं मिली है। कई स्थानों पर पर्याप्त प्रशिक्षित मध्यस्थ उपलब्ध नहीं है। कई मध्यस्थता केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं को अपग्रेड करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रभावी उपकरण से व्यापक आबादी को लाभ पहुंचाने के लिए इन बाधाओं को जल्द से जल्द दूर करना होगा। इसके अलावा, यदि हम इच्छित परिणाम हासिल करना चाहते हैं, तो सभी पक्षकारों को मध्यस्थता के प्रति सकारात्मक रवैया दिखाना होगा। इस संदर्भ में प्रशिक्षण बड़ा बदलाव ला सकता है। प्रशिक्षण विभिन्न स्तरों पर प्रदान किया जा सकता है। प्रारंभिक स्तर पर प्रारंभिक पाठयक्रमों से लेकर मध्य-करियर पेशेवरों के लिए रिफ्रेशर पाठयक्रमों का भी आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता और समाधान प्रोजेक्ट कमेटी द्वारा राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे एक उत्तम कार्य करार दिया। सम्मेलन के दूसरे विषय- सूचना प्रौद्योगिकी पर बात करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी बहुत ही मुश्किल दौर से गुजरे हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान पहले कभी न देखे गए संकट के बीच यदि कोई एक आशा थी, तो वह सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) से थी। आवश्यक गतिविधियों के लिए और अर्थव्यवस्था के पहिये को गतिशील रखने में आईसीटी सबसे ज्यादा मददगार साबित हुआ है। रिमोट वर्किंग की तरह रिमोट लर्निंग ने शिक्षा में व्यवधान को टालने में मदद की। एक तरह से यह संकट डिजिटल क्रांति के लिए एक अवसर साबित हुआ है। सार्वजनिक सेवा वितरण को ज्यादा कार्यकुशल बनाने के लिए लोग आईसीटी को तेजी से अपना रहे हैं। जिस वक्त प्रत्यक्ष सभा-समारोहों को टालना पड़ा, तब वर्चुअल यानी आभासी सुनवाई के जरिए न्याय देना भी संभव बना था। राष्ट्रपति ने यह बात भी कही कि महामारी से पहले भी न्याय वितरण प्रणाली, वकीलों और सभी हितधारकों को दी जाने वाली सेवाओं की मात्रा एवं गुणवत्ता में सुधार के लिए आईसीटी से लाभ हुआ था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में गठित ई-कमेटी के नेतृत्व और भारत सरकार के न्याय विभाग के सक्रिय सहयोग एवं संसाधन से नीति के अनुसार ई-कोर्ट प्रोजेक्ट के दो चरण पूरे किए गए हैं और क्रिया योजना को संबंधित चरणों के लिए मंजूर कर अपनाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप ई-कोर्ट के पोर्टल पर प्रकाशित आंकड़े आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य सार्वजनिक संस्थानों की तरह न्याय तंत्र को भी डिजिटल दुनिया में स्थानांतरित करने में बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा, उसे व्यापक तौर पर 'चेन्ज मैनेजमेंट' के रूप में जाना जाता है और वह परिवर्तन का ही एक हिस्सा है।

पीएम मोदी आज जूनागढ़ स्थित उमिया माता मंदिर के 14वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रामनवमी के अवसर पर 10 अप्रैल, 2022 को दोपहर 1 बजे गुजरात के जूनागढ़ के गठिला स्थित उमिया माता मंदिर के 14 वें स्थापना दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। मंदिर का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2008 में किया था, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। प्रधानमंत्री द्वारा 2008 में दिए गए सुझावों के आधार पर, मंदिर ट्रस्ट ने विभिन्न सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों से संबंधित अपने दायरे का विस्तार किया है, जैसे निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन और आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों के लिए निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाओं का वितरण आदि। उमिया मां को कडवा पाटीदारों की कुलदेवी माना जाता है।

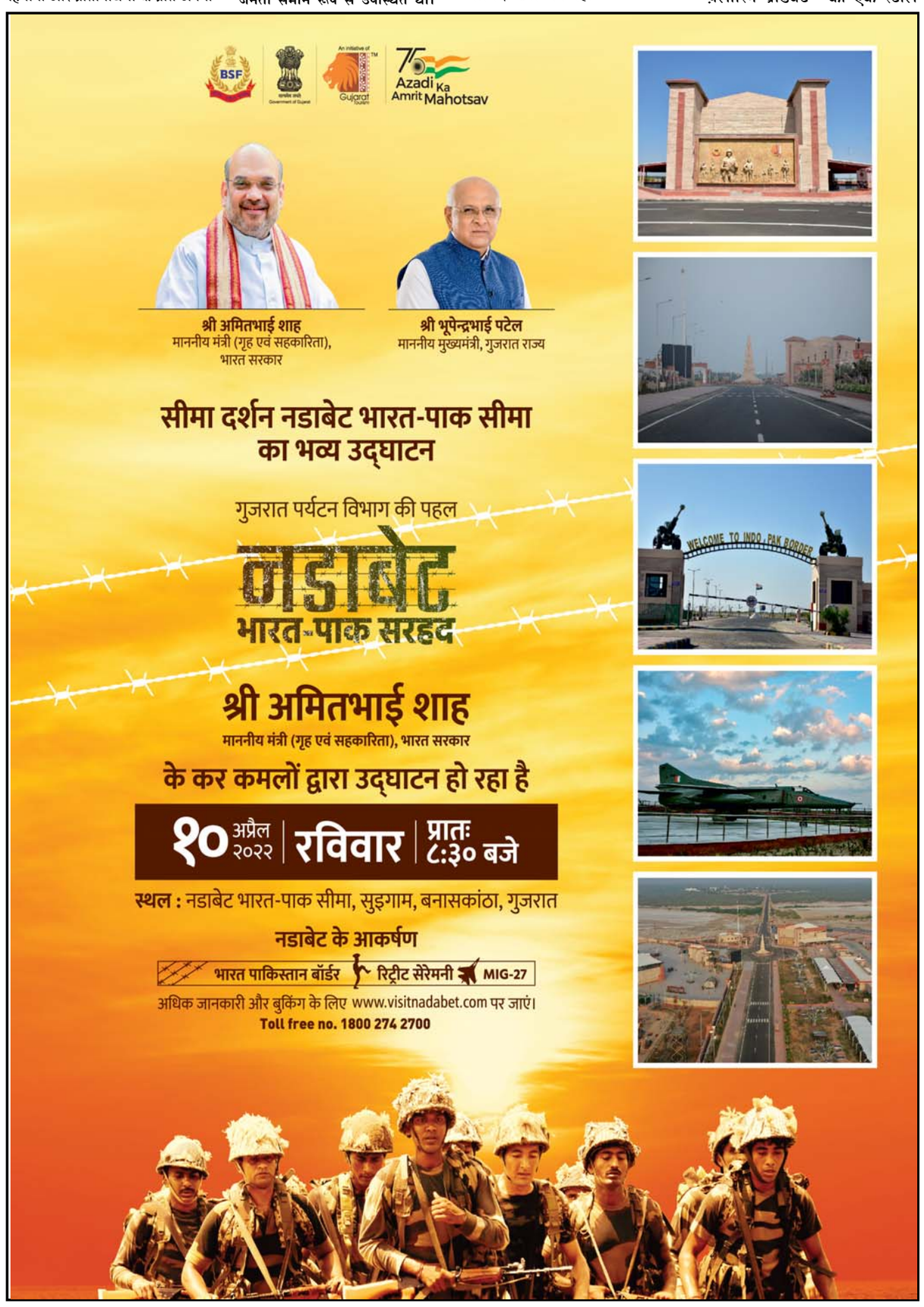

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95